

खलना; आँख का काजल चुराना- बहुत चालाकी से चोरी करना; आँख का जाना- आँख का फूट जाना, आँख की रोशनी का जाना; आँख का तारा- अत्यंत प्रिय व्यक्ति; आँख का तेल निकालना- आँखों को बहुत कष्ट देना; आँख का पानी ढलना- निर्लज्ज हो जाना; आँख- कान खुला रहना- सचेत रहना, सावधान रहना, होशियार रहना; आँख का परदा उठना- जानचक्षु खुलना, भ्रम दूर होना; आँख का पानी ढल जाना- निर्लज्ज हो जाना; आँख का सच्चा- किसी व्यक्ति या वस्तु आदि पर कुदृष्टि न डालने वाला; आँख किरकिराना- आँख में चुभन होना, आँख में चुनचुनाहट होना; आँख की किरकिरी- अप्रिय, नापसंद (व्यक्ति); आँख पर परदा पड़ना- भ्रमवश किसी तथ्य या व्यक्ति आदि की सही पहचान न कर पाना; आँख का पानी मरना- लज्जा का लोप होना, शर्म-हया न रहना; आँख के आगे अँधेरा छाना- कुछ दिखाई न देना, कुछ समझ न आना, अकस्मात् मूर्च्छित होना, क्षणमात्र के लिए कुछ भी न दिखाई पड़ना; आँख के सामने आना- सामने आना, सम्मुख आना, उपस्थित होना; आँख खुलना- जागना, सचेत होना, गलती का ज्ञान होना; आँख खोलना- जागना, तथ्य का सही ज्ञान होना या कराना, होश में लाना; आँख गड़ना- एकटक देखते रहना, टकटकी लगाकर देखना, तीव्र लालसा से देखना; आँख चढ़ना- क्रोध से या नशे से आँख का लाल होना; आँख चुराना- नजर बचाना, सामने आने से बचने का प्रयास करना; आँख चूकना- समय पर देख न पाना, ध्यान हट जाना, असावधान होना; आँख जमना- एकटक देखते रहना, दृष्टि का हट न पाना; आँख झपकना- झपकी आना, नींद आना; आँख झपकाना- आँख से संकेत करना; आँख टँगना- टकटकी बँधना, पुतली का स्तब्ध होना; आँख टेढ़ी करना- गुस्से से देखना; आँख डबडबाना- आँखों में आँसू भर आना; आँख डालना- दृष्टि डालना, ध्यान देना; आँख तरसना- देखने के लिए आकुल होना या रहना; आँख तरेरना- क्रोधपूर्ण दृष्टि से देखना; आँख न

उठना- सम्मान, लज्जा या अनिच्छा से दृष्टि नीची रखना; आँख न भाना- अच्छा न लगना; आँख निकालना- क्रोध से आँख दिखाना; आँख नीची करना- दृष्टि न मिलाना; आँख नीची होना- लज्जित होना, सिर नीचा होना; आँख नीली-पीली या लाल-पीली करना- क्रोधित होकर आँख दिखाना; आँख पथराना- आँख की पलक की गति रुक जाना, एकटक देखते रह जाना, दृष्टि शून्य हो जाना; आँख की पुतली- अति प्रिय व्यक्ति; आँख की पुतली फिरना- आँख का पथरा जाना; आँख पर रखना- बहुत प्यार या आदर करना; आँख फैलाना- नजर दौड़ाना, दूरदृष्टि अपनाना; आँख फड़कना- आँख की पलकों में कंपन होना, शकुन/अपशकुन के संकेत का आभास होना; आँख फाड़-फाड़कर देखना- आश्चर्य या उत्सुकता से देखना; आँख फूटना- आँख की दृष्टि का जाना, ज्ञानदृष्टि खो देना; आँख फेरना- निगाह फेरना, रूठ जाना, किसी की उपेक्षा करना; आँख फोड़ना- आँख पर जोर पड़ने वाला काम करना, आँख नष्ट करना; आँख बचाकर काम करना- चोरी से कोई काम करना; आँख बचाना- सामने न आना, नजर बचाना; आँख बिछाना- प्रेम से किसी के स्वागत के लिए तत्पर रहना; आँख भर आना- आँखों में आँसू आना; आँख भरकर देखना- अच्छी तरह से देखना; आँख भौं टेढ़ी करना- आँख दिखाना, क्रोध की दृष्टि से देखना; आँख मचकाना- बार-बार पलकें गिराना, आँख से संकेत करना; आँख मारना- आँख से इशारा करना; आँख मिलाना- बराबरी के भाव से देखना; आँख मूँदना- आँख बंद करना, पलक गिराना, किसी व्यक्ति, घटना आदि पर ध्यान न देना, मर जाना; आँख में आँख डालना- आँख से आँख मिलना, प्रेम दृष्टि से देखना, ठिठाई से देखना; आँख में खटकना- बिल्कुल अच्छा न लगना, फूटी आँखों न सुहाना; आँख में खून उतरना- क्रोध से आँखें लाल होना, हिंसा पर उतारु होना; आँख में गड़ना- आँखों में खटकना, मन लुभा लेना; आँख में चढ़ना- पसंद आना, आँखों को अच्छा लगना; आँख में चमक आना- प्रसन्न होना; आँख में